भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1861
दिनांक 12 फरवरी, 2021 को उत्तर के लिए

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना

1861. श्री सुधीर गुप्ता :
श्री विद्युत बरन महतो :
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे :
डॉ. भारतीबेन डी. श्याल :
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :
श्रीमती क्वीन ओझा :
श्री चंद्र शेखर साहू :

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना को देश भर के सभी जिलों में कार्यान्वित नहीं किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या बीबीबीपी योजना देश में लड़कियों के जन्म और अधिकारों के प्रति समाज में व्यवहार संबंधी परिवर्तन लाने में समर्थ रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या बीबीबीपी योजना के परिणामस्वरूप जन्म के लिंगानुपात में सुधार हुआ है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी — महिला एवं बाल विकास मंत्री

(क) : बीबीबीपी योजना के तहत अखिल भारतीय हिमायत एवं मीडिया अभियान चलाया गया है, जबकि 405 जिलों को बहुक्षेत्रक उपायों के लिए चिन्हित किया गया है।

(ख) : नीति आयोग की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार यह योजना लैंगिक भेदभाव को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण जन संचेतना का सृजन करने में समर्थ हुई है तथा योजना अनेक अच्छी प्रथाओं एवं समुदाय स्तरीय पहलों का विकास करने में भी समर्थ हुई है।

(ग) और (घ) : बीबीबीपी का उद्देश्य घटते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) की समस्या को दूर करना तथा बेटियों की शिक्षा को संभव बनाना है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) की नवीनतम उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर 918 (2014-15) से 934 (2019-2020) अर्थात 16 बिंदुओं का सुधार देखने को मिला है। 2014-15 और 2019-2020 का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार एसआरबी **अनुलग्नक ।** में उपलब्ध है।

*****

अनुलग्नक-I

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना' के संबंध में श्री सुधीर गुप्ता, श्री विद्युत बरन महतो, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, डॉ. भारतीबेन डी. श्याल, श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक, श्रीमती कृवीन ओझा और श्री चंद्र शेखर साहू द्वारा दिनांक 12 फरवरी, 2021 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1861 के उत्तर के भाग (ग) और (घ)

मार्च-अप्रैल, 2014-15 और 2019-20 की अवधि के लिए जन्म के समय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार लिंग अनुपात

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2014-15	2019-20
	अखिल भारत	**918**	**934**
1	अंडमान व निकोबार द्वीप	967	985
2	आंध्र प्रदेश	921	945
3	अरुणाचल प्रदेश	916	931
4	असम	920	942
5	बिहार	936	917
6	चंडीगढ़	874	935
7	छत्तीसगढ	930	965
8	दादरा और नगर हवेली	939	921
9	दमन और दीव	894	902
10	दिल्ली	901	915
11	गोवा	939	971
12	गुजरात	901	914
13	हरयाणा	876	924
14	हिमाचल प्रदेश	897	933
15	जम्मू और कश्मीर	936	942
16	झारखंड	920	920
17	कर्नाटक	945	937
18	केरल	959	958
19	लक्षद्वीप	1000	952
20	मध्य प्रदेश	926	935
21	महाराष्ट्र	920	941
22	मणिपुर	933	924
23	मेघालय	938	946
24	मिजोरम	971	971
25	नगालैंड	948	913
26	ओडिशा	948	938
27	पुदुचेरी	916	938
28	पंजाब	892	920
29	राजस्थान	929	948
30	सिक्किम	957	962
31	तमिलनाडु	917	943
32	तेलंगाना	925	950
33	त्रिपुरा	958	944
34	उत्तर प्रदेश	885	928
35	उत्तराखंड	903	949
36	पश्चिम बंगाल	942	951

नोट: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से प्राप्त एचएमआईएस डेटा के अनुसार आंकड़े सांख्यिकीय रूप से पूर्णांक हैं